बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा हिन्दी दिवस समारोह का भव्य आयोजन

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रधान कार्यालय, पुणे में दिनांक 20 सितंबर 2017 को हिन्दी दिवस समारोह अत्यंत उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री आर. पी. मराठे ने की । प्रख्यात कवि और भारतीय ज्ञानपीठ के निदेशक श्री लीलाधर मंडलोई इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यपालक निदेशक श्री आर. के. गुप्ता तथा महाप्रबंधक श्री एम. सी. कुलकर्णी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे। देश भर से आए कार्यपालकगण, अधिकारी और कर्मचारी इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्रार्थना और दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का आरंभ हुआ। सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. राजेन्द्र श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। श्री एम. सी. कुलकर्णी, महाप्रबंधक ने सभी उपस्थित व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का अभिनंदन किया और स्पर्धाओं में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों की सराहना की। श्री एम. सी. कुलकर्णी ने कहा कि राजभाषा की प्रगति के लिए हमें अपने प्रयासों को गति देनी होगी तथा नए सिरे से और नई रणनीतियों के साथ हिन्दी में कार्य के लिए जुट जाना होगा।

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में माननीय गृह मंत्री से प्राप्त संदेश का वाचन श्री रा. म. विश्वकर्मा, मुख्य प्रबंधक ने किया। माननीय वित्त मंत्री का संदेश श्री हितेन्द्रनाथ घोटेकर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने पढ़कर सुनाया। भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर डॉ. ऊर्जित आर. पटेल से प्राप्त संदेश श्री नीलेश कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर बैंक की गृहपत्रिका 'महाबैंक प्रगति' के राजभाषा विशेषांक का लोकार्पण तथा बैंक की ई-पत्रिका के वार्षिक संकलन का विमोचन श्री आर. पी. मराठे, श्री लीलाधर मंडलोई, श्री आर. के. गुप्ता और श्री एम. सी. कुलकर्णी के कर-कमलों से किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित आंतरिक राजभाषा ट्रॉफी योजना के पुरस्कार देश भर से आए अंचल प्रबंधकों और शाखा प्रबंधकों को वितरित किए गए। प्रधान कार्यालय के कर्मचारियों के लिए आयोजित विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी इस अवसर पर पुरस्कृत किया गया।

श्री लीलाधर मंडलोई ने इस अवसर पर कहा कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र का हिन्दी कार्य विशिष्ट है और दूसरों से अलग है। उन्होंने हिन्दी कार्य में बढ़ोतरी के लिए सुझाव दिए और मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री आर. के. गुप्ता ने कहा कि समय ने सिद्ध कर दिया है कि हिन्दी केवल फिल्म, राजनीति और मनोरंजन की भाषा नहीं है बल्कि यह साहित्य कारोबार और टेक्नॉलॉजी की मजबूत भाषा है। उन्होंने सरल हिन्दी के प्रयोग पर बल दिया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री आर. पी. मराठे ने कहा कि हिन्दी देश के लोगों को एक सूत्र में बांधने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। श्री मराठे ने कहा कि अपनेपन के साथ उत्तम ग्राहक सेवा प्रदान करने में हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और जन-जन तक अपनी बात पहुंचाने के लिए तथा अपनी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए हिन्दी ही श्रेष्ठ विकल्प है।

इस अवसर पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें देश के प्रतिष्ठित हास्य कवियों ने भाग लेकर श्रोताओं को हास्य रस से सराबोर कर दिया।

श्री रा. म. विश्वकर्मा, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन डॉ. राजेन्द्र श्रीवास्तव, सहायक महाप्रबंधक ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुश्री लोकप्रभा वाघे, सुश्री अपूर्वा खरे, सुश्री मुग्धा डावरे, सुश्री प्राची होनप, श्री संजय गोडबोले और श्री भाऊसाहेब विधाटे ने विशेष योगदान दिया।

XXX

फोटो कैप्शन -

बाएं से पत्रिका का विमोचन करते हुए श्री आर. के. गुप्ता, कार्यपालक निदेशक, श्री आर. पी. मराठे, प्रबंध निदेशक, मुख्य अतिथि श्री लीलाधर मंडलोई, श्री एम. सी. कुलकर्णी, महाप्रबंधक